CBCS

बी.ए. ½प्रोग्राम½ हिंदी

G. Elective Course (Any 2)

सामान्य (जेनरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-5

5.2 (क) अनुवाद : व्यवहार और सिद्धान्त

इकाई-1

1. भारत का भाषायी परिदृश्य और अनुवाद का महत्त्व
2. अनुवाद का स्वरूप
3. अनुवाद के उपकरण – कोश ग्रंथ
4. अनुवाद-प्रक्रिया

इकाई-2

1. प्रयुक्ति की अवधारणा; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
2. विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से संबंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ
3. विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली
4. अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

इकाई-3 : अनुवाद व्यवहार - 1 (अंग्रेज़ी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रज़ी)

1. सर्जनात्मक साहित्य
2. ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य
3. सामाजिक विज्ञान

इकाई-4 : अनुवाद व्यवहार - 2 (अंग्रेज़ी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रज़ी)

1. जनसंचार
2. प्रशासनिक अनुवाद

3. बैंकिंग अनुवाद
4. विधि अनुवाद

<u>सहायक ग्रंथ :</u>

- अनुवाद के भाषिक सिद्धांत – कैटफोर्ड, जे.सी. सिद्धांत, (अनुवादक : डॉ. रविशंकर दीक्षित) प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
- अनुवाद के सिद्धांत – रेड्डी आर.आर.; (अनुवाद : डॉ. जे.एल. रेड्डी) साहित्य अकादमी, मंडी हाऊस, नई दिल्ली
- अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग; गोपीनाथन जी.; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग, – नगेंद्र (संपा.) हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, सुरेश कुमार; वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अथवा

5.2 (ख) जनपदीय साहित्य

इकाई-1 : जनपदीय साहित्य की अवधारणा, जनपदीय साहित्य के विविध रूप - लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ-बुझौवल और मुहावरे हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक साहित्य और समाज।

इकाई-2 : **लोकगीत : वाचिक और मुद्रित**

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि।

सोहर भोजपुरी : भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी - बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पृ. 8, गीत संख्या-4

सोहर अवधी - हिंदी प्रदेश के लोकगीत - कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 110, 111 साहित्य भवन, इलाहाबाद

विवाह - भोजपुरी - भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृ. 116

ऋतुबंधी गीत : बारहमासा, होली, चैती, कजरी इत्यादि।

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव, पृ 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ. 205

वाचिक कविता : भोजपुरी : पं. विद्यानिवास मिश्र, पृ 51, 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जँतसर, दँवनी, रोपनी इत्यादि।

कटनी के गीत, अवधी 2 गीत - हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134, 135

जँतसारी : भोजपुरी - भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृ. 140, 141

हरियाणी : ईख निराई

विविध गीत: घुघुति - कुमाउंनी : कविता कौमुदी : ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी, पृ 802, 803

गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत, पं. रा.न. त्रिपाठी, पृ 801-802

इकाई-3 : **लोककथाए एवं लोकगाथाए** विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएं एवं लोकगाथाएं आल्हा, लोरिक, सारंगा-सदावृक्ष, बिहुला

राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 10,11 (सोलहवाँ भाग)

मालवी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461-462
अवधी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187-188

इकाई-4 : लोकनाट्य

(क) पाठः संक्षिप्त शाही लक्कडहारा सांग लखमीचंद ग्रंथावली,
संपा. प्रो. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

(ख) बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

बिदेसिया, कठपुतली, सांग (हरियाणा), भांड, ख्याल (राजस्थान) माच (मालवा)

<u>सहायक ग्रंथ</u>

- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय
- हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य – शंकर लाल यादव
- मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी
- मालवी लोकसाहित्य का अध्ययन – श्याम परमार
- रसमंजरी – सुचिता रामदीन; महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस
- हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास – पं. राहुल सांकृत्यायन (सोलहवाँ भाग)
- वाचिक कविता : भोजपुरी – पं. विद्यानिवास मिश्र
- भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
- कविता कौमुदी : ग्रामगीत – पं. रामनरेश त्रिपाठी
- लखमीचंद का काव्य-वैभव : हरीचन्द बंधु
- सूत्रधार – संजीव
- हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा
- हिंदी का जनपदीय साहित्य – पं. विद्यानिवास मिश्र

सेमेस्टर-6

6.2 (क) अस्मितामूलक अध्ययन और हिंदी साहित्य

इकाई-1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी :

(क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)
रैडिकल, मार्क्सवादी, उदारवादी आदि, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

(ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन
जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

इकाई- 3 **विमर्शमूलक कथा साहित्य :** (1) ओमप्रकाश बाल्मीकि – सलाम (2) हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या : 158-167 (3) नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

इकाई-3 : विमर्शमूलक कविता :

क. दलित कविता : अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा), माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

ख. स्त्री कविता : कीर्ति चौधरी (सीमा रेखा), कात्यायनी (सात भाइयों के बीच चम्पा), सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ)

इकाई-4 : विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं :

1. प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक
2. तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ पृष्ठ संख्या 125 से 135)
3. महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न'

सहायक ग्रंथ

- सिमोन द बोउवा - स्त्री उपेक्षिता
- गुलामगीरी - ज्योतिबा फुले
- अंबेडकर रचनावली - भाग-1
- प्रभा खेतान - उपनिवेश में स्त्री
- स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह
- मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अंबेडकर
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार लिंबाले

- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश बाल्मीकि
- दलित आंदोलन का इतिहास – मोहनदास नैमिशराय
- नारीवादी राजनीति – जिनी निवेदिता
- हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ – रजत रानी 'मीनू'
- औरत होने की सजा – अरविंद जैन
- आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता

अथवा

6.2 (ख) हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

इकाई-1 : कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धान्तिकी

इकाई-2 : हिन्दी सिनेमा : उद्‌भव और विकास

इकाई-3 : सिनेमा में कैमरे की भूमिका

इकाई-4 : नयी तकनीकी और सिनेमा - सम्भावनाएं और चुनौतियां
(**सन्दर्भ** - मुगले आज़म, मदर इंडिया, दीवार, पीके)

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी सिनेमा का इतिहास - मनमोहन चड्‌ढा
- सिनेमा, नया सिनेमा – ब्रजेश्वर मदान
- भारतीय सिने सिद्धांत - अनुपम ओझा
- सिनेमा : कल, आज और कल – विनोद भारद्वाज
- हिंदी का मौखिक परिदृश्य – करुणाशंकर उपाध्याय
- हिंदी का मौखिक परिदृश्य – कौशल कुमार गोस्वामी